

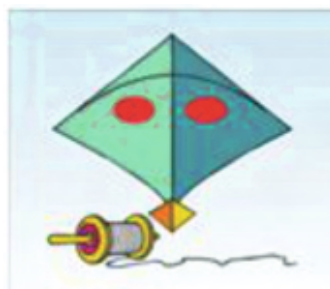
7

थ प ओ े



थरमस थ

थरमस की है अजब कहानी।
गरम चाय और ठंडा पानी॥



पतंग प

पतंग डोर से बंध जाती है।
जिधर हवा हो उड़ जाती॥



ओखली ओ

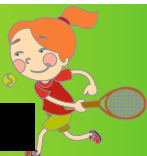
ओखली है कितनी सुंदर।
कुछ भी कूटो इसके अंदर॥



मोर म े

मोर है सबके मन को भाता।
पंख फैलाकर नाच दिखाता॥

निर्देश :- दिए गए चित्रों पर बातचीत करें । चित्र के नीचे संदर्भ पंक्तियाँ लिखी हैं। पंक्तियाँ पढ़कर कुंजी शब्द का उच्चारण करवाएँ। कुंजी शब्द के आधार पर कुंजी वर्ण की पहचान करवाएँ। कुंजी वर्ण से नए शब्द बनाकर उच्चारण करवाएँ। वर्ण शिक्षण के चरणानुसार आगे बढ़ें।



घेरे वाले वर्ण एवं मात्राओं को शब्दों में देखकर उन पर घेरा ○ बनाएँ

थ	थकना	थन	हाथ	नथ	थप
प	पलक	पालना	पकड़	पोखर	पकाना
ओ	ओखली	आओ	ओस	खाओ	पाओ
ो	बोलो	सोना	पढ़ो	खेलो	जाओ

थ प ओ वर्णों एवं ओ की मात्रा ' ो ' पर घेरा ○ लगाएँ

ओ	म	प	र
न	ो	थ	म
अ	च	ओ	थ
थ	ओ	ो	ल

सुनें और बोलें

थरमस	बालिका	ओखली	मोर
हाथ	पालना	लाओ	सोना
थाली	पोखर	बोलो	पोल



लिखें

ॐ श थ थ थ

८ प प प प

१ १ १ १ १

अ आ ओ ओ ओ



पढ़ें और बोलें

ओस	थपकी	पलक	बोलना
मजाक	तालाब	बबीता	कमीज
खेलो	पालना	आओ	पपीहा

लिखें

मोर	बोला	बादल	आओ ।
.....			
.....			
पपीहा	बोला	बरखा	लाओ ।
.....			
.....			
थप-थप	करके	घर	बनाओ ।
.....			
.....			
पोखर	पर	अब	ना जाओ ।
.....			
.....			
तोता	बोला	अनार	लाओ ।
.....			
.....			



केवल पढ़ने के लिए

आ रे बादल

आ रे बादल कारे बादल,
आओ जरा झूम के।
अपने संग ठण्डी हवा,
लाओ जरा झूम के।



दूर कोई मीठी-मीठी बाँसुरी बजाए,
मेरा मन धीरे-धीरे वहाँ चला जाए।
सुनो धरती, सुनो गगन,
सुनो रे पवन, आ रे बादल।

आसमान पर झिलमिलाते तारे टिमटिमाएँ
मेरा मन धीरे-धीरे वहाँ चला जाए।
सुनो धरती, सुनो गगन, सुनो रे पवन,
आ रे बादल कारे बादल।



निर्देश :- हाव-भाव से शिक्षक/शिक्षिका स्वयं बोलें एवं बच्चों से भी बुलवाएँ।

